**लोक सभा**

**तारांकित प्रश्न संख्या*90**

**27 जुलाई, 2015 को उत्त र के लिए**

**इस्पात संयंत्रों का आधुनिकीकरण**

* **90. श्री एम. मुरली मोहन:**
**श्री अजय मिश्रा टेनी:**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) निजी और सरकारी दोनों क्षेत्रों में गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान उत्पादन क्षमता कितनी रही और कितनी मात्रा में कच्चे इस्पात का उत्पादन किया गया;

(ख) क्या सरकार का विचार देश भर में सभी इस्पात संयंत्रों का आधुनिकीकरण और विस्तार करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान इस प्रयोजन हेतु कितनी धनराशि आबंटित की गई और उपयोग में लाई गई; और

(घ) क्या स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड का विचार विदेशों में इस्पात संयंत्रों की स्थापना करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी देश-वार ब्यौरा क्या है?

**उत्तघर**

**इस्पा ात और खान मंत्री** **श्री नरेन्द्रब सिंह तोमर**

**(क)** से (घ) : एक विवरण लोक सभा के पटल पर रख दिया गया है।

******

**“इस्पा0त संयंत्रों का आधुनिकीकरण के बारे में श्री एम.मुरली मोहन और श्री अजय मिश्रा टेनी, संसद सदस्यों द्वारा लोक सभा में दिनांक 27 जुलाई, 2015 के लिए पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या *90 के भाग (क) से (घ) के उत्तनर में उल्लिखित विवरण**

(क) गत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में क्रूड स्टीउल की उत्पाकदन क्षमता और उत्पावदन की मात्रा नीचे दी गई है:

(मिलियन टन में)

| वर्ष | क्षमता | | | उत्पा ादन | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | सार्वजनिक क्षेत्र | निजी क्षेत्र | कुल | सार्वजनिक क्षेत्र | निजी क्षेत्र | कुल |
| 2012-13 | 15.93 | 81.09 | 97.02 | 16.48 | 61.94 | 78.42 |
| 2013-14 | 15.93 | 85.09 | 101.02 | 16.77 | 64.92 | 81.69 |
| 2014-15 | 20.43 | 89.42 | 109.85 | 17.20 | 71.78 | 88.98 |
| अप्रैल-जून 2015-16* | | | | 04.49 | 17.96 | 22.45 |

स्रोत : संयुक्तो संयंत्र समिति (जेपीसी) * अनन्तिम

(ख) और (ग) इस्पा त एक नियंत्रणमुक्त) क्षेत्र है और सरकार की भूमिका एक सुविधादाता के रूप में होती है। इस्पायत संयंत्रों को आधुनिक बनाने और उनका विस्ताकर करने के निर्णय अनिवार्य रूप से संबंधित कंपनियों द्वारा अपने-अपने वाणिज्यिक सोच-विचारों को ध्या न में रख कर लिये जाते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पा ात कंपनियां नामश: सेल और आरआईएनएल ने अपने स्वजयं के स्रोतों से वितपोषित आधुनिकीकरण और विस्तामर कार्यक्रम शुरू किए हैं।

(घ) स्टीवल अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड का किसी बाहरी देश में इस्पाकत संयंत्र की स्था पना करने का वर्तमान में कोई प्रस्तारव नहीं है।

******